वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क

वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN)

1 VPN क्या है?

- वीपीएन (VPN) का तात्पर्य सार्वजनिक नेटवर्क का उपयोग करते समय एक सुरक्षित नेटवर्क कनेक्शन स्थापित करने से है।
- वीपीएन इंटरनेट ट्रैफिक को कूटबद्ध/एन्क्रिप्ट करते हैं तथा उपयोगकर्त्ता की ऑनलाइन पहचान को छिपाते हैं। इससे तृतीय पक्षों या थर्ड पार्टीज के लिये उपयोगकर्त्ता की ऑनलाइन गतिविधियों को ट्रैक करने और डेटा चोरी करने का कार्य अधिक कठिन हो जाता है। यह एन्क्रिप्शन वास्तविक समय/रियल टाइम में होता है।
- वर्तमान में, कुछ ही देश हैं जो वीपीएन को या तो विनियमित करते हैं या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिबंधित करते हैं। इन देशों में चीन, बेलारूस, इराक, उत्तर कोरिया, ओमान, रूस और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

2 VPN के फायदे

- **सुरक्षा:** वीपीएन सरकार से लेकर साइबर अपराधियों तक हर किसी को आसानी से ट्रैक करने से रोकेगा।
- **लोकेशन स्पूफिंग:** सेवाओं और वेबसाइटों में अक्सर ऐसी सामग्री होती है जिसे केवल दुनिया के कुछ हिस्सों से ही एक्सेस किया जा सकता है। वीपीएन लोकेशन स्पूफिंग के साथ, कोई भी व्यक्ति एक सर्वर को दूसरे देश में स्विच कर सकता है और प्रभावी रूप से लोकेशन में परिवर्तन कर सकता है।

3 VPN के नुकसान

- **इंटरनेट की धीमी गति:** चूँकि वीपीएन में आपके ट्रैफिक को वीपीएन सर्वर के माध्यम से रूट करने की आवश्यकता होती है, ऐसे में आप जिस वेबसाइट पर पहुँचना चाहते हैं उस तक पहुँचने में अधिक समय लग सकता है।
- **एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर नहीं:** यद्यपि वीपीएन के आईपी एड्रेस को संरक्षित करता है और व्यक्ति द्वारा इंटरनेट पर ब्राउज की गई हिस्ट्री को एन्क्रिप्ट करता है लेकिन यह किसी के कंप्यूटर को बाह्य हस्तक्षेप (साइबर हमले) से सुरक्षित रखने में सक्षम नहीं है।

4 VPN से संबंधित नए नियम

- CERT-In ने एक ऐसा नियम पारित किया है जिसके तहत वीपीएन प्रदाता को अपने ग्राहकों के 180 दिनों के लॉग को रिकॉर्ड करना और उसे बनाए रखना अनिवार्य है। CERT-In ने इन फर्मों को ग्राहकों के पाँच वर्षों तक के व्यक्तिगत डेटा को एकत्र करने और उसे संग्रहीत करने का निर्देश भी दिया है।
- इसके अलावा इसने साइबर अपराध की किसी भी घटना के बारे में अपराध होने के 6 घंटे के भीतर CERT को सूचित किया जाना अनिवार्य कर दिया है।

5 नए नियमों के साथ समस्या

- सरकार का कहना है कि वह साइबर अपराध का सामना करने के लिये ये सभी विवरण इसलिये जानना चाहती है लेकिन VPN उपलब्ध कराने वाली कंपनियों का तर्क है कि गोपनीयता ही इन सेवाओं के विक्रय का केंद्र बिंदु है और इस तरह का कदम वीपीएन प्लेटफॉर्मों द्वारा प्रदान किये जाने वाले गोपनीयता कवर का उल्लंघन होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vpn-1